

शाखा प्रबन्धक, बैंक ऑफ वडोदा शाखा सूडसर तहसील श्रीडूंगरगढ जिला बीकानेर
जरिये हाल शाखा प्रबन्धक मदनलाल विश्णोई बैंक ऑफ वडोदा शाखा सूडसर।

बनाम

1. फूसाराम पुत्र सरदाराराम
2. अशोक कुमार पुत्र भागीरथ
3. लूणीदेवी पत्नी फूसाराम
4. श्रवणराम पुत्र फूसाराम
5. मोहनराम पुत्र फूसाराम
6. आसाराम पुत्र फूसाराम
7. जेठी पुत्री फूसाराम
8. परमा पुत्री फूसाराम
9. मीरादेवी पत्नी भागीरथ
10. सरस्वती पुत्री भागीरथ
11. गीता पुत्री भागीरथ
12. कली पुत्री सरदाराराम
13. चन्दू पुत्री सरदाराराम
14. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार (राजस्व) श्रीडूंगरगढ
15. उपपंजीयक कार्यालय श्रीडूंगरगढ जिला बीकानेर।

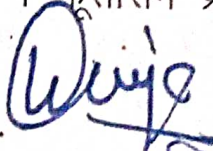
उपस्थिति:-

1. श्री राजूराम जाखड अभिभाषक प्रार्थी
2. श्री के.के. पुरोहित अभिभाषक अप्रार्थी संख्या 01 व 3 ता 13
3. श्री राजूराम बाना अभिभाषक अप्रार्थी संख्या 02

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 151 व 153 सी.पी.सी.

यह प्रार्थना पत्र शाखा प्रबन्धक, बैंक ऑफ वडोदा शाखा सूडसर तहसील श्रीडूंगरगढ जिला बीकानेर जरिये हाल शाखा प्रबन्धक मदनलाल विश्णोई बैंक ऑफ वडोदा शाखा सूडसर ने जरिये अधिवक्ता मार्फत पेश कर निवेदन किया है कि अप्रार्थी संख्या 1 फूसाराम की खातेदारी के खेत खसरा नंबर 20 तादादी 4.25 हैक्टेयर, खसरा नंबर 469 तादादी 5.59 हैक्टेयर व खसरा नंबर 698/53 तादादी 7.59 हैक्टेयर वाकरोही देराजसर तहसील श्रीडूंगरगढ में स्थित है। अप्रार्थी संख्या 1 फूसाराम ने अप्रार्थी संख्या 2 के पिता भागीरथ के साथ मिलकर अपने खातेदारी की उपरोक्त खसरान की भूमि पर प्रार्थी बैंक से के.सी.सी./ए.टी.एल. के रूप में सन 2015-16 में ऋण लिया था जिसके आधार पर अप्रार्थी संख्या 1 की उपरोक्त कृषि भूमि प्रार्थी बैंक के नाम रहन दर्ज हो गई तब से रहन चली आ रही है। अप्रार्थी संख्या 1 फूसाराम ने प्रार्थी बैंक से ऋण लेने के पश्चात बैंक की बकाया ऋण राशि का भुगतान समय पर नहीं किया इसलिए प्रार्थी बैंक ने रोडा एक्ट के तहत कार्यवाही प्रस्तुत कर दी जिसमें अप्रार्थी संख्या 1 फूसाराम पर वसूली नोटिस तामील भी हो गई। वर्तमान में अप्रार्थी संख्या 1 फूसाराम पर प्रार्थी बैंक का ऋण लगभग 30,00,000/-रूपये (अखरे तीस लाख रुपये) बकाया हो चुके है। अप्रार्थी संख्या 1 फूसाराम प्रार्थी बैंक काया

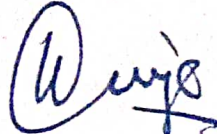



उपखण्ड अधिकारी
श्रीडूंगरगढ (बीकानेर)

उपखण्ड अधिकारी विभाजन या अन्य कोई कार्यवाही करने का अधिकार नहीं था इसलिए अप्रार्थी संख्या 2 द्वारा प्रस्तुत प्रकरण अशोक कुमार बनाम फूसाराम आदि अनुवाची अशोक कुमार बनाम फूसाराम आदि में प्रार्थी बैंक को अप्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत विभाजन का न्याय बनाया तथा ना ही प्रार्थी बैंक को कोई सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया तथा ना ही प्रार्थी बैंक को कोई सुनवाई का अवसर देकर विभाजन की डिक्री निरस्त यदि न्यायालय श्रीमान द्वारा नहीं की गई तो प्रार्थी बैंक न्याय से वंचित हो जावेगी तथा प्रार्थी बैंक द्वारा अप्रार्थी संख्या 1 प्रस्तुत पत्र को दिए गए ऋण की वसूली से भी वंचित हो जावेगी जिससे प्रार्थी बैंक की वही भारी क्षति होगी। हस्तगत प्रकरण में अप्रार्थीगण ने मिलकर सदस्य वरिष्ठ सचिव सारी कार्यवाही को अंजाम दिया है, इसलिए न्यायालय श्रीमान द्वारा दिनांक 20.12.2019 को जारी आदेश व डिक्री निरस्त किए जाने योग्य है। प्रार्थी बैंक को जैसे ही प्रकरण की जानकारी हुई तो प्रार्थी बैंक ने यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर दिया है। जानकारी की दिनांक से प्रार्थना पत्र अन्दर गियाद प्रस्तुत है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि प्रकरण अनुवाची अशोक कुमार बनाम फूसाराम आदि प्रकरण संख्या 1*3/2019 निर्णय दिनांक 20.12.2019 का आदेश निरस्त फरमाया जाकर प्रार्थी बैंक को सुनवाई का अवसर प्रदान कर विधिक आवश्यक आदेश पारित किया जावे तथा अप्रार्थीगण को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द फरमाया जावे कि वो खेत खसरा नंबर 885/469 तादादी 0.70 हैक्टेयर, खसरा नंबर 887/698 तादादी 3.79 हैक्टेयर, खसरा नंबर 884/469 तादादी 1.01 हैक्टेयर, खसरा नंबर 883/469 तादादी 0.70 हैक्टेयर, खसरा नंबर 886/698 तादादी 3.80 हैक्टेयर, खसरा नंबर 20 तादादी 4.25 हैक्टेयर, खसरा नंबर 882/469 तादादी 3.28 हैक्टेयर वाकेरोही देराजसर को किसी भी प्रकार से विक्रय, हस्तान्तरण नहीं करे ना ही ऐसा कोई कृत्य अथवा अपकृत्य करें जिससे प्रार्थी बैंक के अधिकारो पर विपरीत असर पड़ता हो। अप्रार्थीगण ताप्रार्थना पत्र फौसला मौका एवं रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखे क्योंकि अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैंक को धमकी दी है कि हम उपरोक्त कृषि भूमि पर दूसरी बैंक से ऋण ले लेगे या वादगत भूमि को विक्रय कर देगे।

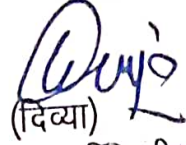
प्रार्थी के उक्त प्रार्थना पत्र को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगणों को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण जरिये अधिवक्ता उपस्थित हुए परन्तु जवाब प्रार्थना पत्र पेश करने हेतु पर्याप्त अवसर दिये जाने के उपरान्त भी जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत नहीं किये जाने के कारण अप्रार्थीगण को जवाब पेश करने का अवसर बन्द किया गया। बहस एकतरफा सुनी गई। वकील प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए माननीय सुप्रीम कोर्ट की नजीर आरआरटी 2015(1) पेज नं. 319 श्रीहरि बनाम सैयद मकदूम शाह आदि एवं सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 151, 152, 153 प्रस्तुत की गई। बहस पर मनन किया गया। पत्रावली का अवलोकन किया गया। तहसीलदार श्रीडूंगरगढ यह सुनिश्चित करें कि पूर्व जमाबन्दी में रहन अंकित था और विभाजन के द्वारा सहवन से अंकन हटाया गया और वर्तमान


उपखण्ड अधिकारी
श्रीडूंगरगढ (बीकानेर)

में सम्पूर्ण जांच करें कि अभी तक अगर प्रतिवादीगण द्वारा वादी बैंक का लोन नहीं चुकाया गया है तो पुनः रहन का अंकन वर्तमान जमाबन्दी में करें।

आदेश आज दिनांक 18.04.2022 को सरे इजलास सुनया गया। पत्रावली बाद निर्णय दायरा रजिस्टर में से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

आदेश सुनाया गया।


(दिव्या)

उपसुखण्ड अधिकारी
श्री. श्री. सुंदरगोविन्दगनेर

